5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

064521

(4)

भूमि आज तक हर प्रकार के बन्धकभार, सरकारी देनदारी, आड, बय, रहन, महायदाबय, जमानत, लोन,बैक लोन, सरकारी मतालबा, वाद विवाद से पाक साफ है किसी दूसरी जगह किसी तौर पर मुन्तकिल नही है विक्रय करने मे अति लाभ है कीमत उचित मिल रही है अतः अब मुझ विकेता ने सालिम भूमि उपरोक्त को यानि अपने संपूर्ण भाग की भूमि रकबई 0.0130 हैक्टेयर को अपनी खुशी व रजामन्दी, शुद्ध बुद्धि स्वस्थ इन्द्रियो से मय समस्त अधिकार मालिकाना काबिजाना दाखिली खारिजी अधिकार काश्त भराई हर किसममय कब्जा गर्ज कि जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रय भूमि मे प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नही रहा है

For ... s Ltd.

Director

DELHI

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच सौ रूपये FIVE HUNDRED RUPEES

- 9 NOV 2005

(5)

आदि-आदि को आज की तारीख से बदले अंकन 1,71,032/-रूपये (एक लाख इकहत्तर हजार बत्तीस रूपये) आधे जिसके 85,516/-रूपये होते है मै बहक द्विवतीयपक्ष क्रेता उपरोक्त के बय कतई किया तथा बेच दिया कुल कीमत विक्रेता ने क्रेता से निम्नानुसार वसूल पा ली है कुछ बाकी नही रहा है कब्जा मौके पर क्रेता का करा दिया है क्रेता काश्त करे या विकय करे कुछ उजर नही होगा ।राजपत्रो मे विकय भूमि पर क्रेता का नाम दर्ज होगा नाम दर्ज होने मे जहा कही भी विक्रेता के हस्ताक्षरो या रजामन्दी की आवश्यकता पडी तो विक्रेता सहर्ष करेगा ।गर्ज की आज से विक्रेता ने क्रेता को मालिक मुस्तकिल कर दिया अब

For Mahagun Developers Ltd.

Director

DELHI-95

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

2 6 OCT 2005

525079

(6)

विक्रेता व वारसान विक्रेता का कोई सम्बन्ध विक्रय भूमि तथा उसके जरे समन से नही रहा है न आइन्दा होगा। जो जो हकूक विक्रेता को विक्रय भूमि मे प्राप्त थे वह इस विक्रय पत्र के द्वारा क्रेता के पक्ष मे बय हो गये विक्रय भूमि का बैनामा विक्रेता व क्रेता के वर्णानुसार लिखा गया है अधिवक्ता/ बैनामा लेखक का अपना कोई कथन नही है विक्रेता व क्रेता ने पढ कर सुनकर व समझकर बैनामे पर हस्ताक्षर किये है अब इकरार यह है कि यदि विक्रय भूमि पर आज तक कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता को अपने पास से अदा करना पडा अथवा विक्रय भूमि विक्रेता के अनाधिकार की वजह से या विक्रेता के वारसान या

For Mahagun Developers Ltd.

Director

DELHI-95 LTD.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु. Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 525080

(7)

किसी सहीम व शरीक की वजह से या किसी हुज्जत कानूनी या वाकाती की वजह से कब्जा कुल या जुज क्रेता से निकल जाये तो क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपने पास से अदा किये हुये जरे समन की धनराशि तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की कुल कीमत असल मय सूद मय हरजा खरचा सहित विक्रेता व वारसान विक्रेता से अदालत द्वारा वसूल कर ले। अदायगी के लिये विक्रेता व वारसान विक्रेता की जात खास व समस्त चल अचल सम्पत्ति पाबन्द रहेगी। विकय पत्र का समस्त व्यय क्रेता ने सहन किया है अतःयह विकय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।इति

For Mahagun Developers Ltd.

Director

DELHI-95

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

2 6 OCT 2005

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 525081

(8)

विवरण वसलयाबी:- कुल कीमत विक्रेता ने क्रेता से इस प्रकार वसूल पायी कि अंकन-1,71,032/-रूपये बजरिये चैक नम्बर 611571 दिनाँक 10-11-2005 आई0 सी0 आई0 सी0 आई0 बैंक सैक्टर-61 नौएडा का विक्रेता के नाम से जारी है के द्वारा वसूल पाये कुछ बाकी नही रहा है। For Mahagun Developers Ltd.

[illegible] ____________ Director

गवाह- [illegible]

गवाह- [illegible]

दिनांक- 10-11-2005 मसौदा जगबीर सिंह बैनामा लेखक अनुज्ञप्ति संख्या 156 चैम्बर नं0 23 तहसील कम्पाउंड गाजियाबाद।